1	2	3
7. उत्पाद (1987–88) (रुपये लाख में) . . .	358624	751179
8. क्षमता (रुपये लाख में) .	799808	1007008
9. क्षमता उपयोग	44.84%	74.6%
10. ग्रामीण क्षेत्र में स्थित एकक . . .	26.11%	20.33%
11. शहरी क्षेत्र में स्थित एकक (महानगर क्षेत्र सहित)	73.89%	79.67%
12. कारखाना अधिनियम के तहत पंजीकृत एकक .	12.92%	17.89%
13. निर्मित आरक्षित मदों की संख्या . .	407	573

स्रोत : लघु उद्योगों की दूसरी अखिल भारतीय गणना ।

गुजरात में कृषि आधारित उद्योगों की स्थापना हेतु प्रस्ताव

2370. **श्रीमती आनन्दी बेन जेठाभाई पटेल** : क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्ष के दौरान गुजरात में कृषि आधारित क्षेत्र में उद्योगों की स्थापना करने हेतु पूंजी निवेश के कुल कितने प्रस्ताव प्राप्त हुए;

(ख) उक्त अवधि के दौरान इस क्षेत्र में विदेशी पूंजी निवेश के स्वीकृत प्रस्तावों का ब्यौरा क्या है ; और

(ग) इन प्रस्तावों को कब तक कार्यान्वित किये जाने की संभावना है।

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही) : (क) नई औद्योगिक नीति के अनुसार कृषि आधारित अधिकतर उद्योगों को लाइसेंस मुक्त कर दिया गया है । कृषि आधारित उद्योगों की स्थापना के लिये 1991, 1992 और 1993 के दौरान गुजरात के लिये 594 औद्योगिक उद्यमी ज्ञापन प्रस्तुत किये गये थे। इनके अलावा उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 के प्रावधानों के अधीन 1991 से 1993 के दौरान चीनी, सूती धागा, बोय के कागज, वनस्पति तेल इत्यादि जैसे कृषि आधारित उद्योग स्थापित करने के लि 23 आवेदन प्राप्त हुये थे ।

(ख) जनवरी, 1993 से जून, 1994 के दौरान विदेशी तकनीकी/वित्तीय सहयोग से गुजरात राज्य में कृषि आधारित उद्योग स्थापित करने के लिये निम्नलिखित प्रस्ताव मंजूर किये गये:–

पार्टी का नाम	विनिर्माण की मद
थाइ चोंग बांग टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज	सूती धागा

पार्टी का नाम	विनिर्माण की मद
सुनील जैन	सूती धागा
असाही फाइबर्स लि०	सूती धागा
रूचि सोया इंडस्ट्रीज लि०	सोया डी आयल्ड केक
श्री अम्बेश्वर पेपर मिल्स लि०	कागज और लुगदी उत्पाद
श्री राजेश्वरानन्द पेपर मिल्स	कागज और लुगदी उत्पाद

(ग) एक औद्योगिक परियोजना को फलीभूत होने में सामान्यत: 4 से 5 वर्ष लगते हैं किन्तु फलनावधि एक उद्योग से दूसरे उद्योग में भिन्न-भिन्न होती है ।

Production of Paper similar to News-print

2371. PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA:

SHRI O. P. KOHLI:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether some of the paper mills are producing paper similar to news-print by using waste paper as raw material;

(b) if so, the details thereof;

(c) the steps taken to bring this paper under the purview of Schedule I of News-print Control to enhance the supply of indigenous newsprint;

d) what is the amount of newsprint imported in the country; and

(e) the steps taken to reduce the import and increase the indigenous production of the newsprint?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRIMATI KRISHNA SAHI): (a) to (c) Some paper mills are producing newsprint grade paper by using waste paper as raw material. Such paper mills who are producing paper conforming to the BIS standards for news-print and if their paper is being used by newspapers and its quality is found satis-factory by them, are being considered by Government for inclusion in Scheduled I to the Newsprint control Order, 1962 declaring them as mills producing news-print. Following 14 mills which are using non-conventional raw material in-cluding waste paper have been included in Schedule I to the Newsprint Control Order, 1962 as newsprint manufacturing units :—

Name of the Mill	Date of inclusion in Schedule I to the News-Print Control Order, 1962
1	2
1. Aurang abad Paper Mills Ltd.	2-3-1993
2. Sun Paper Mill Ltd.	26-4-1993
3. Jayant Paper Mills Ltd.	26-4-1993
4. Servalakshmi Paper & Boards	3-8-1993